(समय : ३ घंटा) **(कुल अंक : १००)**

सूचना : १) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** है।

२) **उत्तर पुस्तिका** पर **प्रश्न क्रमांक अवश्य** लिखे।

३) **I.D.O.L. (पत्राचार)** के विद्यार्थी उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर **I.D.O.L. (पत्राचार) अवश्य** लिखे।

प्र. १. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या किजिए। **(२७)**

क) बनाने के लिए हमने स्वयं किस्मत बनाई है,
विफलता मात्र पूँजी है, निराशा ही कमाई है,
जलन से दोस्ती है, उलझनों से आशनाई है,
लड़ाई है, अगर अस्तित्व से अपनी लड़ाई है,
स्वयं पतवार कश्ती को किनारे पर डुबोती है।

अथवा

शूल ने ऐसे सुगंधित बोल बोले
फूल का धोखा मुझे भी हो गया था।
लौट आया राजपथ पर कुछ समय को
मैं किसी बुजदिल गली में खो गया था
मान ली हो देवता ने आरती जिसकी अपावन -
मैं उसी भावुक पुजारी का पतित पूजन बनूगाँ।

ख) कोई गीत नहीं गाता। सीता जंगल की सूखी लकड़ी बीनती है, जलाकर अंजोर करती है और जुडवाँ बच्चों का मुहँ निहारती है।

अथवा

किसी सार्थक संवाद के लिए हमे अनिवार्यत: तीन सीढ़ियाँ पार करनी पड़ती है - दुनिया के पहचानना उस पहचान से अपने को जानना, उस जानने को दूसरो में परखना।

ग) ऐसा शिल्पी ढूँढ़ता होगा महारानी, जो कवि हो, जिसे पत्थर की आत्मा का बोध हो, ऐसा शिल्पी जो दार्शनिक भी हो, जो संसार के गति चक्र से आत्मा को निकालकर उस निस्संग भाव तक पहुँचा दे।

अथवा

मैं एक ऐसे शिल्प विश्व की रचना करना चाहता हूँ, जहाँ जीवन अपने चरम बिंदू पर पहुँचकर आध्यात्म बन जाए, जहाँ सौंदर्य अपनी मासंलता में अतीन्द्रिय सुख की व्याख्या करने लगे, जहाँ जीवन का कोलाहल किसी समवेत अल्हाद नाद में खो जाए।

प्र. २. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(३६)**

च) कवि रामावतार त्यागी ने विषय परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का संदेश किस तरह दिया है ?

अथवा

'गीत की सार्थकता लोगों के दु:ख दर्द की अभिव्यक्ति में ही है' स्पष्ट कीजिए।

F1E04DE6617C1A3B82ED47983BDD45AE

छ) 'कुटज' निबंध में अभिव्यक्त आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के विचारो को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'राघवः करुणो रसः' निबंध का उद्देश्य रेखांकित कीजिए।

ज) 'खजुराहों का शिल्पी' की कथा वस्तु के माध्यम से लेखक ने आधुनिक जीवन की समस्या पर विचार किया है, विवेचन कीजिए।

अथवा

'खजुराहों का शिल्पी' नाटक में आए प्रमुख पात्रों के अंतर्द्वंद पर प्रकाश डालिए।

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए। **(१२)**

ट) रामावतार त्यागीजी ने मौलिक सपनों को भटकते देखकर कौनसी चिंता प्रकट की है ?

ठ) सभ्यता का संकट निबंध में अभिव्यक्त अज्ञेय के विचारों को समझाइए।

ड) रंगमचीयता की दृष्टि से 'खजुराहों का शिल्पी' नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्र. ४. टिप्पणियाँ लिखिए। **(१५)**

य) मेरी थकन उतर जाती है कविता का संदेश।

अथवा

सभाएँ बंद कर कविता का संदेश।

र) यर्थाथ और आदर्श निबंध का निहितार्थ।

अथवा

वैष्णव की फिसलन निबंध का व्यंग्य।

ल) खजुराहों का शिल्पी नाटक की समीक्षा।

अथवा

खजुराहों का शिल्पी नाटक का उद्देश्य।

प्र. ५. एक वाक्य में उत्तर लिखिए। **(१०)**

१) एक कहावत के अनुसार प्यासे के पास कौन नहीं जाता ?

२) सभ्यता किसके संकेतो पर नाच रही है ?

३) जग के आदेशों पर बजने से किसने इंकार कर दिया ?

४) कवि के अनुसार कलाकार किसकी मूर्ति गढ़ रहे है ?

५) यथार्थ स्वयं ही जड़ की कौनसी अभिव्यक्ति है ?

६) संवाद किसकी जरुरत है ?

७) कौनसा विधान हमारे इस सूक्ष्म जीवन को बाँध नहीं पाते ?

८) माधव शिल्पी की तलाश में कहाँ कहाँ भटकता है ?

९) 'खजुराहों का शिल्पी' नाटक के नाटककार कौन है ?

१०) राजा यशोवर्मन की पत्नी का क्या नाम है ?

❖❖❖❖

F1E04DE6617C1A3B82ED47983BDD45AE